

City भास्कर

लर्निंग पेटर्न | एमसीक्यू से स्टूडेंट्स की साइकोलॉजी समझ रहे अब स्कूल लर्निंग स्टाइल को समझकर साइंटिफिक मॉडल से पढ़ाई करा रहे

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

हर स्टूडेंट का अपना लर्निंग स्टाइल होता है। कोई सिर्फ किताब पढ़कर ही कॉन्सेप्ट को समझ लेता है तो किसी को टीचर के लेक्चर सुनाने के बाद ही चैप्टर की डिटेल्स समझ आती है। कुछ स्टूडेंट्स तभी टॉपिक से रिलेट कर पाते हैं जब वे प्रैक्टिकल करते हैं। इसका ध्यान रखते हुए शहर के स्कूल पढ़ाने के तरीके में बदलाव कर रहे हैं। अब स्कूल सेशन शुरू होते ही वैक (VAK) टेस्ट करके स्टूडेंट की लर्निंग स्टाइल को समझ रहे हैं। इसके हिसाब से स्कूल वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

स्टूडेंट्स की पसंद पता लग रही

एक्सपर्ट सिद्धार्थ सिंह बताते हैं कि टेस्ट के लिए क्लिकर क्विज करा रहे हैं। इसमें प्रोजेक्टर और स्मार्ट बोर्ड पर एमसीक्यू स्टाइल में प्रश्न पूछे जा रहे हैं। बच्चों के हाथ में क्लिकर होता है, जिससे चार में से सही उत्तर चुनना होता है। इसका फायदा यह है कि इससे तुरंत रिजल्ट मिल जाते हैं।

टीचर रूई, पत्थर जैसी चीजों से समझा रहे हैं

एजुकेशन में वार्क (VARK) मॉडल का उपयोग किया जा रहा है। इसमें विजुअल, ऑडियो, रीड/राइट और काइनेस्थेटिक का ध्यान रखा जा रहा है। इसे इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि लर्नर्स आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए लाइट

और हेवी को समझाने के लिए किताबों के साथ टीचर क्लास में रूई, पत्थर जैसे अलग-अलग हल्के और भारी सामान को उपयोग कर रहे हैं। प्रिंसिपल संगीता उप्पल कहती हैं, इससे रोजमर्रा के जीवन में उस टॉपिक की उपयोगिता समझा रहे हैं।

भावनात्मक पक्ष भी देखा जा रहा : हर बच्चे की फिजिकल, साइकोलॉजिकल और इमोशनल स्थिति अलग होती है, जिससे उसका सीखने का तरीका प्रभावित होता है। उन एंड उन लर्निंग स्टाइल इन्हीं फैक्टर्स पर काम करता है। प्रिंसिपल आशा नैयर बताती हैं, इसमें लर्निंग स्टाइल, टीचिंग अडॉप्टेशन, क्लासरूम डिजाइन और एक्टिविटी पैकेजिंग का ध्यान रख रहे। लर्निंग स्टेजेंस और इंस्ट्रक्शनल एरिया डिजाइन से ग्रुप एक्टिविटीज करा रहे।

अनुभव आधारित पढ़ाई के लिए वर्चुअल फील्ड ट्रिप

प्रिंसिपल राजेश अवस्थी ने बताया कि यह साइंटिफिक फैक्ट है कि जब बच्चे अनुभव करते हैं तो उसे लंबे समय तक याद रख पाते हैं, इसलिए हम उन्हें ग्लोबल सिटीजन बनाने के

लिए विभिन्न देशों की वर्चुअल फील्ड ट्रिप करवा रहे हैं। इससे संस्कृति, वेशभूषा, खानपान और वातावरण के बारे में जानकारीयां दे रहे हैं। लर्निंग स्टाइल के अनुसार पढ़ाई करा रहे।